सीएसए केवीके ने मनाया स्वर्ण जयंती समारोह

डीटीएनएन | कानपुर

चंद्र शेखर आजाद कृषि एवम प्रौद्योगिक विद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दरियापुर के प्रभारी को कृषि विज्ञान केन्द्र के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में प्रसार निदेशक डॉ आर के यादव द्वारा मशाल सौंपी गई थी। इस समारोह कार्यक्रम के अवसर पर केन्द्र के प्रभारी डॉ आर पी एन सिंह ने सभी को बधाईयां देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र की महत्ता पर प्रकाश डाला और कहा कि 1974 में प्रथम कृषि विज्ञान केंद्र पुदुचेरी में स्थापना के बाद देश के विभिन्न जनपदों में खुले केवीके द्वारा कृषि ,पशुपालन, मछली पालन, शहद उत्पादन और औद्यानिक उत्पादनों में निः संदेह बदोत्तरी हुई है।जिसमें के वी के की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने जनपद रायबरेली में गेहूं, धान के उत्पादन में हुई बढ़ोतरी तथा सहफसली खेती को बढ़ावा देने के विषय में बताया।केंद्र के वैज्ञानिकों ने अपने - अपने विषय से संबंधित तकनीकी उपलब्धियों के विषय में बताया।इस कार्य क्रम में 50 से भी अधिक किसानों एवं नवयुवकों ने उल्लासपूर्वक प्रतिभाग किया और के वी के की भूमिका की प्रशंसा की और कहा कि जिस तरह से वैज्ञानिक खेतों,खलिहानों तक जाकर तकनीकी जानकारी दे रहे हैं,उससे हमारा जीवन स्तर निश्चित रूप से बेहतर हो रहा है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक एवं किसानों ने प्रतिभा किया।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

क-106 लखनऊ व एटा से प्रकशित सोमवार, 15 अप्रैल 2024 R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ-

सीएसए केवीके ने मनाया स्वर्ण जयंती समारोह

अनवर अशरफ

कानपुर। चंद्र शेखर आजाद कृषि एवम प्रौद्योगिक विद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दरियापुर के प्रभारी को कृषि विज्ञान केन्द्र के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में प्रसार निदेशक डॉ आर के यादव द्वारा मशाल सौंपी गई थी। इस समारोह कार्यक्रम के अवसर पर केन्द्र के प्रभारी डॉ आर पी एन सिंह ने सभी को बधाईयां देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र की महत्ता पर प्रकाश डाला और कहा कि 1974 में प्रथम कृषि विज्ञान केंद्र पुदुचेरी में स्थापना के बाद देश के विभिन्न जनपदों में खुले केवीके द्वारा कृषि ,पशुपालन, मछली पालन, शहद उत्पादन और औद्यानिक उत्पादनों में नि: संदेह बदोत्तरी हुई है।जिसमें के वी के की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने जनपद रायबरेली में गेहूं, धान के उत्पादन में हुई बढ़ोतरी तथा सहफसली खेती को बढ़ावा देने के विषय में बताया।केंद्र के वैज्ञानिकों ने अपने - अपने विषय से संबंधित तकनीकी उपलब्धियों के विषय में बताया।इस कार्य क्रम में 50 से भी अधिक किसानों एवं नवयुवकों ने उल्लासपूर्वक प्रतिभाग किया और के वी के की भूमिका की प्रशंसा की और कहा कि जिस तरह से वैज्ञानिक खेतों,खलिहानों तक जाकर तकनीकी जानकारी दे रहे हैं,उससे हमारा जीवन स्तर निश्चित रूप से बेहतर हो रहा है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक एवं किसानों ने प्रतिभा किया।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

क-106 लखनऊ व एटा से प्रकशित सोमवार, 15 अप्रैल 2024 R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ-

अंबेडकर जयंती मनाई–सीएसए के कैलाश भवन में अंबेडकर जी की 133 में जयंती

अनवर अशरफ

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कैलाश भवन में बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए बताया अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीश कुमार द्वारा अपने संबोधन में कहा कि संविधान निर्माता डॉ भीम राव अंबेडकर जी ने अपना पूरा जीवन अछूतों, महिलाओ एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की भलाई के लिए न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि वह एक महान अर्थशास्त्री तथा समाज सुधारक थे ।जिन्होंने सामाजिक समरसता के लिए अहम भूमिका निभाई। डॉ मुनीश कुमार ने कहा कि वह देश के संविधान के शिल्पकार थे। यही कारण है कि उन्हें भारतीय संविधान का जनक भी कहा जाता है। डॉ भीमराव अंबेडकर ने भारतीय कानून एवं शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में भी कार्य किया इस अवसर पर भंडार क्रय अधिकारी डॉ कौशल कुमार, सह अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ राजीव, प्रस्थापना अधिकारी डॉ संजीव शर्मा, सुरक्षा अधिकारी डॉ अजय कुमार सिंह, गेहूं जनक डॉ सोमवीर सिंह तथा सेवानिवृत्ति अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ धर्म राज सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के 500 से अधिक छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया तथा छात्र–छात्राओं द्वारा भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर शानदार प्रस्तुति भी दी गई।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
दि ग्राम दूडे

अपना प्रदेश

सीएसए के कैलाश भवन में अंबेडकर जी की जयंती मनाई गई

दि ग्राम दूडे, कानपुर। (संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कैलाश भवन में बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए बताया अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीश कुमार द्वारा अपने संबोधन में कहा कि संविधान निर्माता डॉ भीम राव अंबेडकर जी ने अपना पूरा जीवन अछूतों, महिलाओ एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की भलाई के लिए न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि वह एक महान अर्थशास्त्री तथा समाज सुधारक थे।जिन्होंने सामाजिक समरसता के लिए अहम भूमिका निभाई।

डॉ मुनीश कुमार ने कहा कि वह देश के संविधान के शिल्पकार थे। यही कारण है कि उन्हें भारतीय संविधान का जनक भी कहा जाता है। डॉ भीमराव अंबेडकर ने भारतीय कानून एवं शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में भी कार्य किया।इस अवसर पर भंडार क्रय अधिकारी डॉ कौशल कुमार, सह अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ राजीव, प्रस्थापना अधिकारी डॉ संजीव शर्मा, सुरक्षा अधिकारी डॉ अजय कुमार सिंह, गेहूं जनक डॉ सोमवीर सिंह तथा सेवानिवृत्ति अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ धर्म राज सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के 500 से अधिक छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया तथा छात्र-छात्राओं द्वारा

भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर शानदार प्रस्तुति भी दी गई।

दैनिक

उद्योग नगरी टाइम्स

E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com

सत्य ही कर्तव्य

(हिन्दी दैनिक प्रातःकालीन) कानपुर, सोमवार 15 अप्रैल 2024 (R.N.I.No. UPHIN/2010/472

दिखाते हुए अपना कार्य को तीव्र यदानी (अध्यक्ष) के नेतृत्व में इस अलवानी, आदि।

सीएसए केवीके ने मनाया स्वर्ण जयंती समारोह

कानपुर, 14 अप्रैल (यू0एन0टी0)। ***अनवर अशरफ*** चंद्र शेखर आजाद कृषि एवम प्रौद्योगिक विद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दरियापुर के प्रभारी को कृषि विज्ञान केन्द्र के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में प्रसार निदेशक डॉ आर के यादव द्वारा मशाल सौंपी गई थी। इस समारोह कार्यक्रम के अवसर पर केन्द्र के प्रभारी डॉ आर पी एन सिंह ने सभी को बधाईयां देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र की महत्ता पर प्रकाश डाला और कहा कि 1974 में प्रथम कृषि विज्ञान केंद्र पुद्दुचेरी में स्थापना के बाद देश के विभिन्न जनपदों में खुले केवीके द्वारा कृषि, पशुपालन, मछली पालन, शहद उत्पादन और औद्यानिक उत्पादनों में निःसंदेह बदोत्तरी हुई है। जिसमें के वी के की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने जनपद रायबरेली में गेहूं, धान के उत्पादन में हुई बढ़ोतरी तथा सहफसली खेती को बढ़ावा देने के विषय में बताया। केंद्र के वैज्ञानिकों ने अपने अपने विषय से संबंधित तकनीकी उपलब्धियों के विषय में बताया। इस कार्य क्रम में 50 से भी अधिक किसानों एवं नवयुवकों ने उल्लासपूर्वक प्रतिभाग किया और के वी के की भूमिका की प्रशंसा की और कहा कि जिस तरह से वैज्ञानिक खेतों, खलिहानों तक जाकर तकनीकी जानकारी दे रहे हैं, उससे हमारा जीवन स्तर निश्चित रूप से बेहतर हो रहा है।

सीएसए केवीके ने मनाया स्वर्ण जयंती समारोह

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(संजय मौर्य)

चंद्र शेखर आजाद कृषि एवम प्रौद्योगिक विद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दरियापुर के प्रभारी को कृषि विज्ञान केन्द्र के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में प्रसार निदेशक डॉ आर के यादव द्वारा मशाल सौंपी गई थी। इस समारोह कार्यक्रम के अवसर पर केन्द्र के प्रभारी डॉ आर पी एन सिंह ने सभी को बधाईयां देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र की महत्ता पर प्रकाश डाला और कहा कि 1974 में प्रथम कृषि विज्ञान केंद्र पुदुचेरी में स्थापना के बाद देश के विभिन्न जनपदों में खुले केवीके द्वारा कृषि ,पशुपालन, मछली पालन, शहद उत्पादन और औद्यानिक उत्पादनों में निः संदेह बदोत्तरी हुई है।जिसमें के वी के की महत्वपूर्ण भूमिका

रही है। उन्होंने जनपद रायबरेली में गेहूं, धान के उत्पादन में हुई बढ़ोतरी तथा सहफसली खेती को बढ़ावा देने के विषय में बताया।केंद्र के वैज्ञानिकों ने अपने - अपने विषय से संबंधित तकनीकी उपलब्धियों के विषय में बताया।इस कार्य क्रम में 50 से भी अधिक किसानों एवं नवयुवकों ने उल्लासपूर्वक प्रतिभाग किया और के वी के की भूमिका की प्रशंसा की और कहा कि जिस तरह से वैज्ञानिक खेतों,खलिहानों तक जाकर तकनीकी जानकारी दे रहे हैं,उससे हमारा जीवन स्तर निश्चित रूप से बेहतर हो रहा है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक एवं किसानों ने प्रतिभा किया।

अमर उजाला 15/04/2024

शिक्षण संस्थानों में मनाई गई आंबेडकर जयंती

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय समेत शहर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में डॉ. आंबेडकर की जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सीएसजेएमयू में आंबेडकर और सामाजिक न्याय विषय पर सेमिनार हुआ। शुभारंभ आईक्यूएसी निदेशक प्रो. संदीप कुमार सिंह, डॉ. किरण झा व मुख्य वक्ता उच्च न्यायालय के अधिवक्ता संजय सिंह जाटव ने किया। संजय सिंह ने कहा कि जब-जब धर्म का नाश होता है तब-तब कोई महान आत्मा समाज सुधारने के लिए आती है। इस मौके पर डॉ. कोमल चौहान, डॉ. शिल्पी कुकरेजा, डॉ. अजय सिंह, डॉ. पूजा, डॉ. उर्वशी, डॉ. अनीता अवस्थी, सत्येंद्र चौहान आदि मौजूद रहे। सीएसए के कैलाश भवन

में जयंती समारोह आयोजित हुआ। डीएसडब्ल्यू डॉ. मुनीश कुमार ने कहा कि डॉ. आंबेडकर महान अर्थशास्त्री के साथ समाज सुधारक थे। कार्यक्रम में डॉ. राजीव, डॉ. अजय कुमार सिंह, डॉ. धर्मराज सिंह, डॉ. सोमवीर ने भी विचार रखे। (ब्यूरो)

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

लखनऊ | वर्षः 15 | अंकः 181 | मूल्यः ₹3.00/- | पेज : 12 | सोमवार | 15 अप्रैल, 2024

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

देवी दुर्गा अपने सातवें स्वरूप में कालरात्रि के नाम से जानी जाती हैं। देवी का यह रूप सुरक्षा प्रदान करने वाला है जिस प्रकार आज की नारी सेना या पुलिस में रहकर स्वयं और परिवार को ही नहीं बल्कि पूरे समुदाय को सुरक्षा दे रही है और साथ ही ममतामयी मा भी है।

संविधान निर्माता डॉ.भीम राव अंबेडकर जी ने अपना पूरा जीवन भलाई के लिए किया न्योछावर : डॉ.मुनीश कुमार

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कैलाश भवन में रविवार को बाबासाहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मुनीश कुमार दने कहा कि संविधान निर्माता डॉ.भीम राव अंबेडकर जी ने अपना पूरा जीवन अछूतों, महिलाओ एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की भलाई के लिए न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि वह एक महान अर्थशास्त्री तथा समाज सुधारक थे।जिन्होंने सामाजिक समरसता के लिए अहम भूमिका निभाई। डॉ.मुनीश कुमार ने कहा कि वह देश के संविधान के शिल्पकार थे उन्हें भारतीय संविधान का जनक भी कहा जाता है। डॉ.भीमराव अंबेडकर ने भारतीय कानून एवं शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में भी कार्य किया। इस अवसर पर भंडार क्रय अधिकारी डॉ.कौशल कुमार, सह अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ.राजीव, प्रस्थापना अधिकारी डॉ.संजीव शर्मा, सुरक्षा अधिकारी डॉ. अजय कुमार सिंह, गेहूं जनक डॉ.सोमवीर सिंह तथा सेवानिवृत्ति अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ.धर्म राज सिंह ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के 500 से अधिक छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

अंक-47 कानपुर, सोमवार 15 अप्रैल 2024 पृष्ठ-8
दैनिक
आज का कानपुर

सीएसए में मनाई गई अंबेडकर की 133वी जयंती

कानपुर। सीएसए के कैलाश भवन में बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती मनाई गई कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए बताया अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीश कुमार द्वारा अपने संबोधन में कहा कि संविधान निर्माता डॉ भीम राव अंबेडकर जी ने अपना पूरा जीवन अछूतों, महिलाओ एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की भलाई के लिए न्योछावर कर दिया उन्होंने कहा कि वह एक महान अर्थशास्त्री तथा समाज सुधारक थे जिन्होंने सामाजिक समरसता के लिए अहम भूमिका निभाई डॉ मुनीश कुमार ने कहा कि वह देश के संविधान के शिल्पकार थे। यही कारण है कि उन्हें भारतीय संविधान का जनक भी कहा जाता है डॉ भीमराव अंबेडकर ने भारतीय कानून एवं शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान दिया उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में भी कार्य किया इस अवसर पर भंडार क्रय अधिकारी डॉ कौशल कुमार, सह अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ राजीव, प्रस्थापना अधिकारी डॉ संजीव शर्मा, सुरक्षा अधिकारी डॉ अजय कुमार सिंह, गेहूं जनक डॉ सोमवीर सिंह तथा सेवानिवृत्ति अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ धर्मराज सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये इस अवसर पर विश्वविद्यालय के 500 से अधिक छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया तथा छात्र-छात्राओं द्वारा भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर शानदार प्रस्तुति भी दी गई।

www.worldkhabarexpress.media | www.worldkhabarexpress.com

WORLD खबर एक्सप्रेस

Daily Evening E-Paper

39.2° अधिकतम 19.0° न्यूनतम

www.twitter.com/worldkhabarexpress
www.facebook.com/worldkhabarexpress
www.youtube.com/worldkhabarexpress

रविवार, 14 अप्रैल 2024, अंक : 236

सीएसए के कैलाश भवन में मनाई गई बाबासाहेब की 133 वीं जयंती

वर्ल्ड खबर एक्सप्रेस

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कैलाश भवन में बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए बताया अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीश कुमार द्वारा अपने संबोधन में कहा कि संविधान निर्माता डॉ भीम राव अंबेडकर जी ने अपना पूरा जीवन अछूतों, महिलाओ एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की भलाई के लिए न्योछावर कर दिया।

उन्होंने कहा कि वह एक महान अर्थशास्त्री तथा समाज सुधारक थे।जिन्होंने सामाजिक समरसता के लिए अहम भूमिका निभाई। डॉ मुनीश कुमार ने कहा कि वह देश के संविधान के शिल्पकार थे। यही कारण है कि उन्हें भारतीय संविधान का जनक भी कहा जाता है। डॉ भीमराव अंबेडकर ने भारतीय कानून एवं शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में भी कार्य किया।इस अवसर पर भंडार क्रय अधिकारी डॉ कौशल कुमार, सह अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ राजीव, प्रस्थापना अधिकारी डॉ संजीव शर्मा, सुरक्षा अधिकारी डॉ अजय कुमार सिंह, गेहूं जनक डॉ सोमवीर सिंह तथा सेवानिवृत्ति अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ धर्म राज सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के 500 से अधिक छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया तथा छात्र-छात्राओं द्वारा भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर शानदार प्रस्तुति भी दी गई।

आज 15/04/2024 महा

जातपात-छुआछूत के विरोधी थे डॉ. अंबेडकर

डा. अम्बेडकर की मूर्तियों पर किया माल्यार्पण, शहरभर में हुई संगोष्ठियां

शहरभर के विभिन्न क्षेत्रों में बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती धूमधाम से मनायी गयी। डा. अम्बेडकर को लेकर वाहन रैली भी निकाली गई जोकि विजयनगर, दादानगर, रावतपुर, नवाबगंज, मसवानपुर, कल्याणपुर सहित कई इलाकों में घूमी। इसके साथ ही डा. अम्बेडकर के विचारों को लेकर संगोष्ठियां भी आयोजित की गई जिसमें सामाजिक न्यान, महिला अधिकार के अलावा उनके जीवन भर संघर्ष पर प्रकाश डाला गया। लोकतंत्र की रक्षा और संविधान सभा के अध्यक्ष में डा. अम्बेडकर की भूमिका पर वक्ताओ ने विचार रखे। डा. अम्बेडकर द्वारा छुआछूत, शोषण, सामाजिक न्याय, जाति व्यवस्था को समाप्त करने के साथ मानव अधिकार और समान अधिकारों के लिए उनके द्वारा गए कार्यों पर लोगों का ध्यान आकर्षित किया गया।

दीप जलाते अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीश कुमार व अन्य।

कानपुर, 14 अप्रैल। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कैलाश भवन में आज बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती धूमधाम से मनायी गयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीश कुमार ने कहा कि संविधान निर्माता डॉ भीम राव अंबेडकर जी ने अपना पूरा जीवन अछूतों, महिलाओ एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की भलाई के लिए न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि वह एक महान अर्थशास्त्री तथा समाज सुधारक थे।जिन्होंने सामाजिक समरसता के लिए अहम भूमिका निभाई। डॉ मुनीश कुमार ने कहा कि वह देश के संविधान के शिल्पकार थे। यही कारण है कि उन्हें भारतीय संविधान का जनक भी कहा जाता है। डॉ भीमराव अंबेडकर ने भारतीय कानून एवं शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में भी कार्य किया।इस अवसर पर भंडार क्रय अधिकारी डॉ कौशल कुमार, सह अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ राजीव, प्रस्थापना अधिकारी डॉ संजीव शर्मा, सुरक्षा अधिकारी डॉ अजय कुमार सिंह, गेहूं जनक डॉ सोमवीर सिंह तथा सेवानिवृत्ति अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ धर्म राज सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के 500 से अधिक छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया तथा छात्र-छात्राओं द्वारा भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर शानदार प्रस्तुति भी दी गई।

मेधावियों को दिये गये पुरस्कार

कानपुर। छावनी क्षेत्र के आजाद पार्क में आज डा. भीम राव अम्बेडकर की जयंती धूमधाम से मनायी गयी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सिद्धार्थ काशीवार ने डा. अम्बेडकर के जीवनभर संघर्ष पर प्रकाश डाला। अंबेडकर को किसी जात से बाधना, वर्गीकरण करना ठीक नहीं है। कार्यक्रम में मेधावियों को पुरस्कार दिये गये और वृद्ध महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान अजय तिवारी, अजय आनंदी के अलावा क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

बच्चों के साथ मुख्य अतिथि।

वर्ष 05, अंक 270, कानपुर, सोमवार, 15 अप्रैल 2024
पृष्ठ- 08, मूल्य-02 रुपये www.shashwattimes.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
शाश्वत टाइम्स

सीएसए केवीके ने मनाया स्वर्ण जयंती समारोह

खेती में नई तकनीकी जानकर उत्साहित हुए किसान

कानपुर। चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दरियापुर में स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन किया गया। केंद्र के प्रभारी को कृषि विज्ञान केन्द्र के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में प्रसार निदेशक डॉ. आरके यादव द्वारा मशाल सौंपी गई थी।

प्रथम कृषि विज्ञान केंद्र पुद्दुचेरी में स्थापित हुआ था : इस समारोह कार्यक्रम के अवसर पर केन्द्र के प्रभारी डॉ. आरपीएन सिंह ने सभी को बधाईयां देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र की महत्ता पर प्रकाश डाला और कहा कि 1974 में प्रथम कृषि विज्ञान केंद्र पुद्दुचेरी में स्थापित हुआ था। इसके बाद देश के विभिन्न जनपदों में केवीके द्वारा कृषि, पशुपालन, मछली पालन, शहद उत्पादन और औद्यानिक उत्पादनों में बढ़ोत्तरी हुई है।

केवीके की रही है महत्वपूर्ण भूमिका : उन्होंने कहा कि उत्पदनों की बढ़ोत्तरी में केवीके की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने जनपद रायबरेली में गेहूं, धान के उत्पादन में हुई बढ़ोतरी तथा सहफसली खेती को बढ़ावा देने के विषय में किसानों को बताया। उन्होंने बताया कि किसानी करते समय फलस में किन-किन बातों का विशेष ख्याल रखने की जरूरत है।

तकनीकी उपलब्धियों के विषय में बताया : केंद्र के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने विषय से संबंधित तकनीकी उपलब्धियों के विषय में किसानों को विस्तार से बताया। इस कार्यक्रम में 50 से भी अधिक किसानों एवं नवयुवकों ने प्रतिभाग किया। किसानों को बताया गया कि नई-नई तकनीकी का प्रयोग कर हम कम लागत में अच्छी फसल को तैयार कर सकते हैं। इस मौके पर किसानों से ड्रोन की खेती करने के विषय पर भी चर्चा की गई।

जीवन स्तर में होगा सुधार : किसान संजय रावत ने कहा कि जिस तरह से वैज्ञानिक खेतों, खलिहानों तक जाकर तकनीकी जानकारी दे रहे हैं, उससे किसानों का जीवन स्तर निश्चित रूप से बेहतर हो रहा है। नई तकनीकी से आज हम लोग रुबरू हुए हैं। अच्छी फसलों की पैदीवार के बारे में जानकारी मिली है।

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य
(हिन्दी दैनिक प्रातःकालीन) कानपुर, सोमवार 15 अप्रैल 2024 (R.N.I.No. UPHIN/2010/472

करने के साथ ही आग से बचाव के दिन मुंबई बंदरगाह पर 14 अप्रैल संजय मानासह आदि उपस्थित रहे।

सीएसए के कैलाश भवन में अंबेडकर की 133 में जयंती मनाई

कानपुर, 14 अप्रैल (यू0एन0टी0)। ***अनवर अशरफ*** चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कैलाश भवन में बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए बताया अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीश कुमार द्वारा अपने संबोधन में कहा कि संविधान निर्माता डॉ भीम राव अंबेडकर जी ने अपना पूरा जीवन अछूतों, महिलाओ एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की भलाई के लिए न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि वह एक महान अर्थशास्त्री तथा समाज सुधारक थे। जिन्होंने सामाजिक समरसता के लिए अहम भूमिका निभाई। डॉ मुनीश कुमार ने कहा कि वह देश के संविधान के शिल्पकार थे। यही कारण है कि उन्हें भारतीय संविधान का जनक भी कहा जाता है। डॉ भीमराव अंबेडकर ने भारतीय कानून एवं शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में भी कार्य किया।इस अवसर पर भंडार क्रय अधिकारी डॉ कौशल कुमार, सह अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ राजीव, प्रस्थापना अधिकारी डॉ संजीव शर्मा, सुरक्षा अधिकारी डॉ अजय कुमार सिंह, गेहूं जनक डॉ सोमवीर सिंह तथा सेवानिवृत्ति अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ धर्म राज सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के 500 से अधिक छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया तथा छात्र छात्राओं द्वारा भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर शानदार प्रस्तुति भी दी गई।

डॉ अंबेडकर ने भारतीय कानून एवं शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान दिया

डीटीएनएन । अंबेडकर जयंती मनाई- सीएसए के कैलाश भवन में अंबेडकर जी की 133 में जयंती मनाई*। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कैलाश भवन में बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए बताया अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीश कुमार द्वारा अपने संबोधन में कहा कि संविधान निर्माता डॉ भीम राव अंबेडकर जी ने अपना पूरा जीवन अछूतों, महिलाओ एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की भलाई के लिए न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि वह एक महान अर्थशास्त्री तथा समाज सुधारक थे।जिन्होंने सामाजिक समरसता के लिए अहम भूमिका निभाई। डॉ मुनीश कुमार ने कहा कि वह देश के संविधान के शिल्पकार थे। यही कारण है कि उन्हें भारतीय संविधान का जनक भी कहा जाता है। डॉ भीमराव अंबेडकर ने भारतीय कानून एवं शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में भी कार्य किया।इस अवसर पर भंडार क्रय अधिकारी डॉ कौशल कुमार, सह अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ राजीव, प्रस्थापना अधिकारी डॉ संजीव शर्मा, सुरक्षा अधिकारी डॉ अजय कुमार सिंह, गेहूं जनक डॉ सोमवीर सिंह तथा सेवानिवृत्ति अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ धर्म राज सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के 500 से अधिक छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया तथा छात्र-छात्राओं द्वारा भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर शानदार प्रस्तुति भी दी गई।